

कार्यालय अंचल अधिकारी, तोरपा।

वाद अभिलेख सं० ३५३/१११८ (अन्तर्गत धारा 4(h) BLR Act, 1950)

आदेश पत्रक सं० _____ से _____ तक

वाद का प्रकार :- बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत
जॉच एवं कार्रवाई

आदेश का ताक तिथि	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर कार्रवाई टिप्पणी आदेश
---------------------	--------------------------------	-------------------------------------

12.01.18

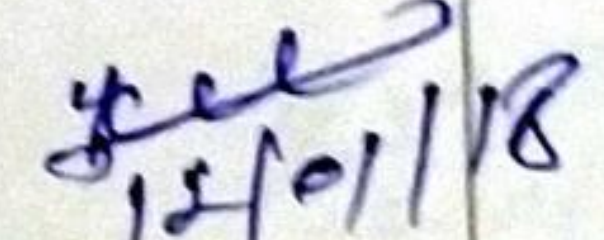
झारखण्ड सरकार के ज्ञापांक 2074/रा० दिनांक 13.05.2016 सहपठित श्री अनुज मुखर्जी निदेशक, भू०-अर्जन-विशेष सचिव, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का पत्र सं०-3-खा०म०निति-119/85/2308/रा० दिनांक 09.12.1998 में निहित निदेश के अनुपालन में गैरमजरुआ खास भूमि में कायम की गई जमाबंदियों जॉच प्रारम्भ की गई। जॉच के क्रम में हल्का राजस्व कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा प्रतिवेदित किया कि मौजा कुदरी थाना खुवा खाता सं० ५५/५ प्लॉट सं० १५०/६२ रकबा ५.७० एकड़ की भूमि जो गैरमजरुआ खास अनाबद बिहार (झारखण्ड) सरकार की खाते की सरकारी भूमि जिसकी जमाबंदी इस मौजा के पंजी II के जिल्द सं० _____ पृष्ठ सं० _____ पर जमाबंदी रैयत कुदरी लोहा पिता/पति का नाम _____ से कायम है। यह जमाबंदी संदिग्ध है।

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा समर्पित जॉच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमाबंदी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बन्दोबस्ती के आधार पर/अवैध सादाहुकुनामा कायम की गयी है। जिसका उद्देश्य निजी लाभ एवं राज्य को क्षति कारित करना है। प्रथम दृष्टय उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबंदी अवैध जिसका बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जॉच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है।

अतएव संबंधित जमाबंदी रैयत को नोटिस निर्गत कर उपर्युक्त भू०-खण्ड से संबंधित मूल दस्तावेज/ निर्गत लगान रसीद की मांग करे तथा उनको कारण-पृच्छा करे कि क्यों नहीं उक्त जमाबंदी को अवैध मानते हेतु इसे बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 4(h) के तहत सक्षम प्राधिकार को रद्ध करने हेतु अनुशंसित किया जाय।

अभिलेख दिनांक १२.०१.१८ को उपस्थापित करें।

लेखापित एवं संशोधित


 12/01/18
 अंचल अधिकारी
 तोरपा

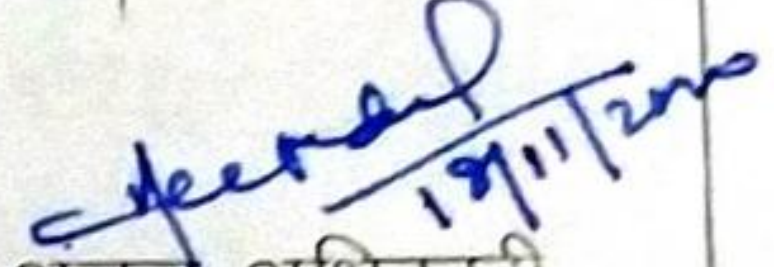
आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर
कार्रवाई टि
आदेश

अभिलेख उपस्थापित,

राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन एवं वर्तमान पंजी से पूर्व की जमाबंदी पंजी / हल्का में उपलब्ध कन्टीन्यूअस खतियान / वादी के वंशज द्वारा उपलब्ध कराये गये बदोबस्ती पट्टा का अवलोकन करने के उपरांत यह स्पष्ट होता है कि मौजा इपरी के पंजी II में के वॉल्युम सं० 1 के पृष्ठ सं० 75 में बुधू लोहार के नाम से कायम जमाबंदी सक्षम प्राधिकार के आदेश के आलोक में संधारित है।

अतः राजस्व उपनिरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक से प्राप्त अनुशंसा एवं उपलब्ध राजस्व दस्तावेजों के आलोक में मौजा इपरी के पंजी II के भाग सं० 1 पृष्ठ सं० 75 में बुधू लोहार के नाम से कायम जमाबंदी के विरुद्ध भूमि सुधार अधिनियम की धारा 4 H के तहत प्रारंभ की गई कार्रवाई तत्काल प्रभाव से बंद की जाती है। भविष्य में विभागीय नियमों / उच्चतर न्यायालय के आदेश आदि के आलोक में पुनः कार्रवाई प्रारंभ की जा सकेगी।


अंचल अधिकारी
तोरपा

सेवा में,

संचल अधिकारी मेरवा।

विषय:- वाद सं० 343/16-17 के संबंध में।

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में कहना है कि मौजा कुदरी का रकबा न० 55 प्लॉट न० 640 एवं 592 कुल रकबा 1170 एकड़ भूमि पंजाब में के प्लॉट सं० 75 में कुछ लोहा पित्त जिसे लोहा के नाम से दर्ज है बिहाल (भाइरकण्ड) शीम सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4H के तहत कारबाई की गई।

वर्ष 1950 में कुछ लोहा के बंशज के द्वारा जमाबंदी कायम होने के रूप में निम्नांकित दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

- 1) लगान रसीद वर्ष 75-76 एवं 10-11 का दाया प्रति।
 - 2) दस्तावेज में उपलब्ध- राजस्व दस्तावेजों की जांच की गई। जांच उपरान्त निम्नांकित तथ्या सामने आई।
 - 3) पुराना पंजाब में वर्ष 89-90 से लगान बसूली
 - 4) पुराना पंजाब में बन्दोबस्त वाद सं० 14/70-71 दर्ज पाया गया।
- अतः नियमितकरण किया जा सकता है।

प्रमाण
12/5/7


C.V.